भावी युद्ध बदबूदार होंगे

अमरीकी फौज एक ऐसा हथियार विकसित करने में जुटी है जो एक हथगोले की तरह दुश्मनों पर फेंका जाएगा और इतनी बदबू पैदा करेगा कि अफरा-तफरी मच जाएगी। इस गैर-जानलेवा रासायनिक हथियार को नाम दिया गया है मालओडोरेंट।

इस तरह के रासायनिक हथियारों का युद्ध में उपयोग रासायनिक हथियार संधि के तहत प्रतिबंधित है। यहां तक कि पुलिस द्वारा उपयोग की जाने वाली आंसू गैस का उपयोग भी युद्ध में नहीं किया जा सकता। मगर यूएस फौज का ख्याल है कि इस संधि में एक खामी है जिसके दम पर वह मालओडोरेंट का उपयोग कर सकती है।

इस मामले में यूएस रक्षा विभाग के गैर-जानलेवा हथियार कार्यक्रम के प्रवक्ता केली ह्यूजेस का कहना है कि रासायनिक हथियार संधि में ऐसे पदार्थों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है जो ट्राई-जेमिनल तंत्रिका को सक्रिय करते हैं और व्यक्ति में अस्थायी पंगुता पैदा करते हैं। ऐसे पदार्थों को दंगा-फसाद नियंत्रक कहा जाता है। ह्यूजेस कहते हैं कि यदि कोई पदार्थ ट्राई-जेमिनल तंत्रिका को प्रभावित नहीं करता, तो रासायनिक हथियार संधि के अंतर्गत उसे दंगा-फसाद नियंत्रण पदार्थ नहीं माना जाएगा।

उपरोक्त बदबूदार हथगोले कोई चोट नहीं पहुंचाते मगर एकदम अनजान तीखी गंध पैदा करते हैं जो मस्तिष्क के एमिग्डेला को प्रभावित करती है और व्यक्ति वहां से निकल भागने के अलावा कुछ और नहीं सोच पाता।

दूसरी ओर, यूके के ससेक्स विश्वविद्यालय के रासायनिक हथियार विशेषज्ञ जूलियन रॉबिंसन का मत है कि रासायनिक हथियार संधि में ऐसी कोई खामी नहीं है। वे कहते हैं कि मालओडोरेंट दंगा-फसाद नियंत्रण पदार्थ की श्रेणी में ही रखा जाएगा।

यूएस फौज काफी समय से ऐसे हथियारों पर शोध करती रही है। इसके अलावा इस्राइल जैसे कुछ देश ऐसे हथियारों का उपयोग भी करते आए हैं, क्योंकि इस्राइल उन 8 देशों में से है जिन्होंने रासायनिक हथियार संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। इस्राइल काफी समय से फिलिस्तीन इलाकों में स्कंक नामक पदार्थ का उपयोग करता रहा है। इसे पानी के पाइप्स की मदद से छिड़का जाता है ताकि लोगों को तितर-बितर किया जा सके। यहां तक कि घरों पर इसका लेप कर दिया जाता है ताकि लोग घरों में न रह सकें।

बहरहाल, कई लोग यह भी कह रहे हैं कि ये मालओडोरेंट शायद उतने कारगर न हों, जितना माना जा रहा है। संभवतः गैस मास्क पहनकर बचाव हो जाएगा। मगर एक बात तय है कि यदि ये हथियार इस्तेमाल किए गए तो युद्ध की सड़ांध बढ़ेगी। ***(स्रोत फीचर्स)***